nt>

Title: Demand to prosecute the players found guilty for the cricket match fixing in the CBI enquiry.

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : अध्यक्ष जी, पिछले सत्र में मैच-फिक्सिंग इश्यू को लेकर सदन में काफी गहन चर्चा हुई थी और उस समय मंत्री जी ने आश वासन दिया था कि जब सीबीआई की रिपोर्ट तैयार होगी तो उसे संसद में पेश किया जाएगा। लेकिन उसे पेश करने से पहले मंत्री जी ने उसे सार्वजनिक किया और सार्वजनिक होने के दो हफ्ते पहले ही वह रिपोर्ट सारे अखबारों में दे दी गयी जिसके कारण मैं समझता हूं कि रिपोर्ट लीक हुई। आज भी जब हम अखबार उठाकर देखते हैं तो पता चलता है कि लगभग 5 मीटिंगे सीबीआई इंक्वायरी के बाद में बोर्ड की हो चुकी हैं लेकिन उसका कोई भी निर्णय सामने नहीं आया है। सीबीआई कहती है कि वह किसी भी खिलाड़ी को प्रौसीक्यूट नहीं कर सकती है। यह तो शुरू से मीडिया में ट्रायल की तरह चल रहा था और मीडिया में लोगों के नाम आ रहे थे तब भी उनको कोई प्रौसीक्यूट नहीं कर सकता था और आज भी यही स्थिति है। सीबीआई ने जो रिपोर्ट दी है कि वे प्लेयर्स को प्रौसीक्यूट नहीं कर पा रहे हैं। माननीय वित्त मंत्री जी भी उस समय यहां बैठे थे और मैंने कहा था कि इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट को खिलाड़ियों के इन्कम के कागज निकलवाने चाहिए जिससे इस बात का पता चल सके कि अगर किसी खिलाड़ी के पास इन्कम से ज्यादा असेट्स हों तो उसके ऊपर जो आरोप लगा है वह सिद्ध हो सकता है। लेकिन अब तक इस मामले को जिस हल्के ढंग से लिया गया है वह बहुत गंभीर विाय है।

हमारे देश में 40 र्वा से नीचे की उम्र के लगभग 40 प्रतिशत लोग हैं और केवल यही एक ऐसी एक्टिविटी है जिसे सारे लोग देखते हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि तुरंत इसके ऊपर जो भी निर्णय लेना हो वह लें जिससे आगे लोगों को इस बारे में पता चल सके।

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : जो मैच फिक्सिंग में लिप्त हों, उनके ऊपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You are allowed to associate with what Shri Kirti Jha Azad has said.